मूल्य 1 रु.

वर्षः 11 - अंक : 91, मुंबई, शुक्रवार, 21 मई, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले

MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

116 पूर्व नौकरशाहों ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर...

याद दिलाई लापरवाही

मुफ्त टीकाकरण की मांग की

संवाददाता

नई दिल्ली। पूर्व नौकरशाहों के एक समूह ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक खुला पत्र लिखकर कहा कि केंद्र सरकार को सभी भारतीय नागरिकों का कोविड-19 रोधी टीकाकरण मुफ्त में करना चाहिए तथा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आरटी-पीसीआर जांच बढ़ानी चाहिए। (शेष पृष्ठ 3 पर)

ममता ने पीएम के साथ बैठक को बताया 'सुपर फ्लॉप'

ममता बनर्जी ने यह दावा भी किया कि केवल भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को बैठक में बोलने दिया गया, जबकि दूसरों को 'कठपुतली' बनाकर रख दिया गया। उन्होंने कहा, 'यह अनौपचारिक और सुपर फ्लॉप बैठक थी।' ममता बनर्जी ने राज्य सचिवालय 'नबन्ना' में संवाददाताओं से कहा, हम अपमानित महसूस कर रहे हैं। यह देश के संघीय ढांचे को नुकसान पहुंचाने की कोशिश है। प्रधानमंत्री मोदी में असुरक्षा की भावना इतनी ज्यादा है कि उन्होंने हमारी बात ही नहीं सुनी।

संवाददाता

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि कोविड-19 के हालात पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक में कई मुख्यमंत्रियों को बोलने नहीं दिया गया और उनका अपमान हुआ। ममता बनर्जी ने मोदी की बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक को 'सुपर फ्लॉप' करार दिया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

फेसबुक की रिपोर्ट में दावा

पिछले 6 महीने में भारत सरकार ने 40,300 यूजर्स का मांगा डाटा

नई दिल्ली। फेसबुक ने कहा कि 2020 की दूसरी छमाही में उपयोगकर्ता डेटा के संबंध में भारत सरकार की तरफ से उसे 40,300 अनुरोध प्राप्त हुये। फेसबुक की नवीनतम पारदर्शिता रिपोर्ट के मुताबिक यह आंकड़ा इससे पहले जनवरी-जून 2020 की तुलना में 13.3 प्रतिशत ज्यादा है। इस दौरान सरकार से इस तरह के 35,560 अनुरोध प्राप्त हुये थे। अमेरिकी सोशल मीडिया कंपनी ने सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के निर्देशानुसार, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की दारा 69ए का उल्लंघन करने पर 2020 की दूसरी छमाही में भारत में 878 सामग्रियों पर रोक लगी दी थी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

ताउते के बाद चक्रवात 'यास' देगा

दस्तक

बंगाल की खाड़ी से टकराकर मचा सकता है तबाही

मुंबई। महाराष्ट्र और गुजरात में चक्रवात तूफान ताउते ने बड़ी तादात में तबाही मचाई। राज्य में कई जगह पेड़ और खंबे उखड़ गए, वहीं कई लोगों की मौत भी हुई। ताउते के बाद देश में एक और चक्रवाती तूफान दस्तक दे सकता है। मौसम विभाग ने एक और चक्रवात तूफान का अलर्ट जारी कर दिया गया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

प्लाज्मा थेरेपी पर फैसला

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने प्लाज्मा थेरेपी को कोविड-19 के लिए स्वीकृत इलाज की सूची से हटाने का फैसला किया है। पिछले साल भारत में हुए एक बड़े अध्ययन में पाया गया था कि प्लाज्मा थेरेपी से कोविड-मरीजों को कोई फायदा नहीं होता। इसके बावजूद आईसीएमआर के दिशा-निदेर्शों में इलाज का यह तरीका बना रहा। इसके बाद भी कई अध्ययनों से यही निष्कर्ष निकला कि इससे न तो कोविड संक्रमण की गंभीरता कम होती है, और न ही मरीज के जल्दी स्वस्थ होने की कोई उम्मीद होती है। पिछले दिनों ब्रिटेन में पांच हजार मरीजों पर एक बड़ा अध्ययन किया गया, जिसके नतीजे 14 मई को प्रतिष्ठित चिकित्सा पत्रिका लैन्सेट में छपे हैं। ये नतीजे भी यही बताते हैं कि कोविड-19 के इलाज में प्लाज्मा थेरेपी की कोई उपयोगिता नहीं है। कुछ समय पहले भारत के कई प्रमुख डॉक्टरों और वैज्ञानिकों ने केंद्र सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार डॉक्टर के विजय राघवन को चिट्ठी लिखकर प्लाज्मा थेरेपी को मान्यता प्राप्त इलाज की सूची से हटाने की मांग की थी। इन वैज्ञानिकों का कहना था कि प्लाज्मा थेरेपी अतार्किक व अवैज्ञानिक है और इसका कोई लाभ नहीं है। इसके अलावा, कोरोना के दौर में प्लाज्मा हासिल करना भी मुश्किल काम है। मरीजों के परिजनों को इसके लिए बेवजह ही भटकना पड़ता है। इन वैज्ञानिकों ने एक और गंभीर खतरे की ओर इशारा किया है। उनका कहना है कि प्लाज्मा थेरेपी के अनियंत्रित इस्तेमाल से हो सकता है कि वायरस के कहीं ज्यादा खतरनाक नए रूप पैदा हो जाएं। इन सब प्रमाणों और चेतावनियों के मद्देनजर आईसीएमआर ने प्लाज्मा थेरेपी को हटाने का फैसला किया है। हालांकि, हम नहीं कह सकते कि प्लाज्मा थेरेपी का इस्तेमाल पूरी तरह से बंद हो जाएगा, क्योंकि कोविड के इलाज के लिए डॉक्टर और मरीजों के परिजन अक्सर जो भी इलाज संभव होता है, वह करते हैं, चाहे उसका असर प्रमाणित हो या न हो। लेकिन समझदार डॉक्टर इसका इस्तेमाल करने से बचेंगे और मरीज के परिजन प्लाज्मा हासिल करने की जद्दोजहद से। जब प्लाज्मा थेरेपी को मान्यता दी गई थी, तब भी इसकी विश्वसनीयता असंदिग्ध नहीं थी। तब कोरोना की पहली लहर तबाही मचा रही थी और इसके इलाज के बारे में बहुत कम जानकारी थी। लोग हर उस इलाज को आजमाने को तैयार थे, जिससे कुछ भी उम्मीद हो। प्लाज्मा थेरेपी के पीछे तर्क यही था कि जो लोग कोरोना से उबर जाते हैं, उनके रक्त में कोविड-19 के खिलाफ एंटीबॉडी बन जाती हैं, जो उनकी कोरोना से रक्षा करती हैं। यदि कोरोना से उबरे हुए व्यक्ति के रक्त का प्लाज्मा किसी मरीज को चढ़ाया जाए, तो ये एंटीबॉडी वहां कोरोना के खिलाफ लड़ने में कारगर हो सकती हैं। यह तर्क सुनने में जितना जायज लगता है, व्यवहार में उतना कारगर साबित नहीं हुआ। वैसे भी, आईसीएमआर ने इसे 'ऑफ लेबल' इलाज के तौर पर मान्यता दी थी, जिसका तकनीकी मतलब जो भी हो, व्यावहारिक मतलब यही था कि इसके असर के बारे में पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता। कोरोना का बहुत विश्वसनीय इलाज ढूंढ़ने की जद्दोजहद अब भी जारी है, इस बीच चिकित्सा विज्ञान भी बहुत कुछ सीख रहा है, अपनी कामयाबियों से, और कुछ अपनी गलतियों से। यह भी एक ऐसा ही उदाहरण है।

बंगाल में टकराव चलता रहेगा

भाजपा के दोनों नेताओं को उम्मीद थी कि वे इससे ज्यादा हिंदू को भाजपा के साथ जोड़ देंगे। इसमें दोनों फेल हो गए। पश्चिम बंगाल में कुल मतदाताओं की संख्या सात करोड़ 33 लाख है, जिसमें से 81 फीसदी यानी छह करोड़ ने वोट डाले। सामान्य गणित के हिसाब से इसमें एक करोड़ 80 लाख के करीब मुस्लिम वोट थे और चार करोड़ 20 लाख हिंदू वोट थे। भाजपा को कुल दो करोड़ 28 लाख वोट मिले हैं। अगर ये सारे हिंदू वोट हैं तो इसका मतलब है कि भाजपा को 53 फीसदी हिंदुओं ने वोट दिया। यानी लगभग आधे हिंदू वोट भाजपा के खिलाफ गए। आगे की चिंता यह है कि अगर बंगाल में ऐसे ही ध्रुवीकरण हुआ और ममता अगले लोकसभा चुनाव में इसी तरह अस्मिता का दांव सफलतापूर्वक खेलती हैं तो भाजपा को बंगाल में अपनी जीती सभी 18 लोकसभा सीटों का नुकसान हो सकता है। इस चिंता में यह रणनीति बनी दिख रही है कि ममता को चैन नहीं लेने देना है।

पश्चिम बंगाल की हार भारतीय जनता पार्टी, खास कर प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को बहुत बुरी लगी है। कहां तो दो सौ से ज्यादा सीटें जीतने का दावा था और कहां पार्टी 77 सीटों पर रूक गई! कहां तो प्रधानमंत्री ने शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने का ऐलान कर दिया था और चुनावी मंच से अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे शपथ समारोह में शामिल होने आएंगे, उससे पहले उन्हें क्या क्या काम कर लेना है और कहां अपने सांसदों-विधायकों को बचाने की चिंता में उनकी सुरक्षा में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती करनी पड़ रही है! कहां तो ह्यतृणमूल के गुंडोंह्ण को जेल भेजने की तैयारी थी और कहां उन्हीं कथित गुंडों के कथित कहर से अपनी पार्टी के नेताओं को बचाने के लिए केंद्रीय मंत्रियों और एजेंसियों से लेकर राज्यपाल तक को मैदान में उतारना पड़ रहा है! कहां शपथ समारोह में जाना था और कहां नतीजों के बाद 15 दिन तक गृह मंत्री सार्वजनिक रूप से दिखाई ही

नहीं दिए! यहां तक कि पड़ोसी राज्य असम में पार्टी की दूसरी बार सरकार बनी थी लेकिन शपथ समारोह में न प्रधानमंत्री गए और न गृह मंत्री! सो, हार की तिलमिलाहट तो जाहिर है। बहरहाल, प्रधानमंत्री ने नतीजों के बाद तीन दिन के अंदर ममता बनर्जी को दो बार बधाई दी थी। जिस दिन उनकी पार्टी देश भर में ममता राज में पश्चिम बंगाल में हो रही कथित हिंसा के विरोध में प्रदर्शन कर रही थी उस दिन भी प्रधानमंत्री ने ममता बनर्जी को तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी थी। तभी यह अंदाजा लग गया था कि ममता के लिए आने वाला समय आसान नहीं होने वाला है। पर मुश्किलें ऐसी आएंगी और इतनी जल्दी आएंगी, इसका अंदाजा नहीं था। वैसे भी राजनीतिक शिष्टाचार के तहत विपक्षी पार्टियां किसी भी चुनी हुई नई सरकार को समय देती हैं। आखिर दो महीने से ज्यादा समय से पश्चिम बंगाल का पूरा प्रशासन और पुलिस फोर्स चुनाव आयोग के हाथों में थी। इसलिए पहले ही दिन ममता बनर्जी सब कुछ ठीक कर देंगी, ऐसा नहीं सोचा जाना चाहिए था। पर भाजपा ने ममता को एक दिन का भी मौका नहीं दिया। तीन मई से ही उन पर हमले शुरू हो गए। कुछ हिस्सों में हुई हिंसा की जांच के लिए केंद्रीय टीम बन गई और केंद्रीय मंत्री का दौरा होने लगा। आनन-फानन में राज्यपाल ने ममता सरकार के कुछ मंत्रियों और तृणमूल नेताओं के खिलाफ नारदा स्टिंग ऑपरेशन मामले में सीबीआई जांच की मंजूरी दी और अब कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह नतीजे आने के दो हफ्ते के अंदर हो गया है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अगले पांच साल बंगाल में क्या-क्या होना है!

पश्चिम बंगाल में अगले पांच साल क्या कुछ होगा, इसका अंदाजा लगाने के लिए सबसे पहले यह समझना होगा कि आखिर एक चुनावी हार से इतनी तिलमिलाहट क्यों है? कायदे से पार्टी को खुश होना चाहिए कि उसने अपनी सीटें तीन से 77 कर लीं। असम में सरकार बना ली और पुडुचेरी में भी सहयोगी पार्टी के साथ सरकार में आ गई। यानी पांच राज्यों में से तीन में शानदार प्रदर्शन किया। लेकिन ऐसा नहीं है, पार्टी खुश नहीं है तो कारण यह है कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को बंगाल की हार बहुत बुरी लगी है। दोनों ने सचमुच नहीं सोचा था कि वे हार भी सकते हैं। उन्हें पक्का यकीन था की उनकी सरकार बन रही है। तभी दोनों ने अपने को पूरी तरह से दांव पर लगा दिया था। कोरोना महामारी, लोक-लाज, संवैधानिक पद की गरिमा और सामान्य राजनीतिक शिष्टाचार को ताक पर रख दोनों नेता बंगाल में प्रचार कर रहे थे। बंगाल में प्रधानमंत्री का करिश्मा और अमित शाह की रणनीति दोनों दांव पर थी। बंगाल की जीत पूरे देश में धमक बनाती तो हार हिंदू मानस में भी अलगाव पैदा करती। इस जोखिम को समझते हुए दोनों चुनाव लड़ रहे थे। पश्चिम बंगाल सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति की भी परीक्षा वाला राज्य बन गया था। उसे एक नई प्रयोगशाला के तौर पर देखा जा रहा था, जहां की सफलता पूरे देश में ध्रुवीकरण की राजनीति के सफल पैटर्न को स्थापित करती। हालांकि इसमें एक जोखिम शुरू से था। चूंकि राज्य की 29 फीसदी आबादी मुस्लिम है इसलिए सामान्य ध्रुवीकरण से भाजपा को फायदा नहीं होना था। हिंदू आबादी का कम से कम 60 फीसदी वोट भाजपा को मिलता तभी वह जीतती। भाजपा के दोनों नेताओं को उम्मीद थी कि वे इससे ज्यादा हिंदू को भाजपा के साथ जोड़ देंगे। इसमें दोनों फेल हो गए।

वेंटिलेटर्स का ऑडिट कौन करेगा?

कोरोना वायरस की आपदा में अवसर की तरह बनाए गए पीएम केयर्स फंड से खरीदे गए वेंटिलेटर्स विवादों में हैं। कई राज्य सरकारों ने इनकी क्वालिटी पर सवाल उठाया है। हालांकि सवाल उठाने वाले सारे राज्य कांग्रेस या उसकी सहयोगी पार्टियों के शासन वाले हैं इसलिए इसे राजनीतिक विवाद माना जा रहा है। पर मामला इतना सरल नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस विवाद से नाराज हैं और उन्होंने पिछले दिनों अधिकारियों के साथ हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में राज्यों को उपलब्ध कराए गए वेंटिलेटर्स के इंस्टालेशन और इस्तेमाल की ऑडिट कराने को कहा। अब सवाल है कि यह ऑडिट कौन करेगा? जब पीएम केयर्स फंड की ऑडिट ही भारत सरकार की एजेंसियां नहीं कर सकती हैं तो उस फंड से खरीदे गए सामान की ऑडिट का क्या होगा? बहरहाल, पिछले साल जुलाई-अगस्त में जब पीएम केयर्स फंड से वेंटिलेटर के ऑर्डर दिए जाने लगे तभी इस पर सवाल उठने लगा था। पिछले साल सितंबर में सूचना का अधिकार कानून के तहत हासिल की गई जानकारी के आधार पर हफिंगटन पोस्ट ने खबर दी थी कि चेन्नई की कंपनी ट्रिविट्रॉन हेल्थकेयर को सात हजार

बेसिक और तीन हजार एडवांस वेंटिलेटर बनाने का ऑर्डर दिया गया, जबकि कंपनी के पास उस समय न तो बेसिक वेंटिलेटर का मॉडल या प्रोटोटाइप मौजूद था और न एडवांस वेंटिलेटर का मॉडल था। इसका मतलब है कि उसे पहले वेंटिलेटर बनाने का कोई अनुभव नहीं था और उसके पास कोई मॉडल भी नहीं था। इसे 373 करोड़ रुपए का ऑर्डर दिया गया। उससे भी पहले अगस्त में खबर आई थी कि दो कंपनियों-ज्योति सीएनसी ऑटोमेशन और आंध्र प्रदेश मेडटेक जोन को वेंटिलेटर के ऑर्डर दिए गए। लेकिन ज्योति सीएनसी के वेंटिलेटर अहमदाबाद सिविल हॉस्पिटल ने खराब क्वालिटी का बताते हुए खारिज कर दिया था। बाद में दोनों कंपनियों को खरीद सूची से हटाया गया। आरटीआई से मांगी गई सूचना से यह भी पता चला कि आंध्र प्रदेश मेडटेक जोन को भारत सरकार की कंपनी एचएलएल ने ऑर्डर दिया था और उसने आगे चेन्नई की कंपनी ट्रिविट्रॉन को ऑर्डर प्लेस कर दिया था। भारत सरकार ने स्कैनरी टेक्नोलॉजी और एजीवीए हेल्थकेयर को 40 हजार वेंटिलेटर का ऑर्डर दिया था। पिछले साल इंडिया टुडे ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया था कि एजीवीए हेल्थकेयर के वेंटिलेटर खराब क्वालिटी के हैं। इसका मतलब है कि खरीद के समय से वेंटिलेटर की क्वालिटी का मुद्दा उठ रहा था। अब जाकर राज्यों ने बताना शुरू किया है कि उनके यहां भेजे गए वेंटिलेटर खराब क्वालिटी के हैं। पंजाब सरकार ने कहा है कि 40 फीसदी वेंटिलेकर खराब निकले हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि राज्य में 19 सौ वेंटिलेटर भेजे गए, जिनमें से ज्यादातर की क्वालिटी खराब थी और डेढ़-दो घंटे चलने के बाद अपने आप बंद हो रहे थे। उन्होंने इसकी जांच कराने की मांग की है। महाराष्ट्र के औरंगाबाद सरकारी अस्पताल में भेजे गए सभी 25 वेंटिलेटर खराब निकले हैं, जिसके बाद पूरे राज्य में दिए गए वेंटिलेटर्स की क्वालिटी पर सवाल उठ रहा है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बीएमसी को मिल सकती है घर-घर टीका देने की इजाजत

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा है कि अगर बीएमसी घर-घर जाकर नागरिकों को टीका लगाना चाहती है, तो उसे इसकी इजाजत मिल जाएगी। कोर्ट ने कहा कि अभी तक इसके लिए केंद्र सरकार की इजाजत न होने के बावजूद अदालत मंजूरी दे सकती है। अदालत ने बीएमसी से सवाल किया कि क्या वह ऐसे लोगों को उनके घर जाकर टीका दे सकती है, जिन्हें टीके की जरूरत है, लेकिन वे ज्यादा उम्र या किसी अक्षमता

के कारण टीका लगवाने के लिए बाहर नहीं जा सकते। कोर्ट ने इस बारे में बीएमसी से हलफनामा देने को कहा है। देश में बुधवार को एक दिन के अंदर 4,529 लोगों की जान कोरोना संक्रमण से गई। यह एक दिन में मौतों की सबसे ज्यादा संख्या है। देश में 2,67,334 नए मामले सामने आए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया, 'देश भर में 24 घंटों के दौरान 20 लाख से ज्यादा कोरोना जांच की गई। यह एक रेकॉर्ड है। किसी देश में एक दिन के अंदर इतनी जांच नहीं हुई। देश में पॉजिटिविटी रेट घटकर 13.31 फीसद पर पहुंच गया है।

बच्चों पर ट्रायल, केंद्र से मांगा जवाबः दिल्ली हाई कोर्ट ने कोवैक्सीन टीके का 2 से 18 साल के बच्चों पर ट्रायल करने की इजाजत देने पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। एक याचिका में इसे रोकने की मांग की गई थी। हालांकि अदालत ने ट्रायल रोकने से इनकार कर दिया। याचिका में कहा गया है कि जिन 525 बच्चों पर यह ट्रायल होना है, उनकी सेहत और दिमाग पर इसका असर पड़ सकता है। इन बच्चों को वॉलंटियर नहीं कहा जा सकता है। अगर बच्चों पर साइड इफेक्ट हुआ, तो वे शरीर के अंदर होने वाले बदलाव को समझ नहीं पाएंगे।

'पहले से समय लेकर आने वालों को टीकाकरण में मिले प्राथमिकता'

मुंबई। बबंई उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को अपने अंतरिम आदेश में कहा कि महाराष्ट्र सरकार को कोविड-19 टीकाकरण में उन लोगों को प्राथमिकता देनी चाहिए जो 'कोविन' पोर्टल पर प्राप्त पंजीकरण कराकर और पहले से समय लेकर केंद्रों पर आते हैं। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जीएस कुलकर्णी ने कहा कि राज्य को उपलब्ध टीके लगाने में उन लोगों को प्राथमिकता देनी चाहिए जो निश्चित समय लेकर आते हैं और इसके बाद ही बाकी बचे टीके उन लोगों को लगाये जाने चाहिए जो सीधे केंद्र पर या 'वाक इन' स्लॉट में आ रहे हैं। अदालत ने कहा कि राज्य में टीकाकरण के लिए प्रणाली को सुव्यवस्थित किया जाए क्योंकि मौजूदा समय में टीके की कमी है। अदालत ने राज्य को निर्देश दिया कि वह सुनिश्चित करे कि जो पहले से समय लेकर टीकाकरण केंद्र पहुंच रहे हैं उन्हें लंबे समय तक कतार में खड़ा नहीं होना पड़े। उच्च न्यायालय ने कहा कि राज्य को प्राथमिकता के आधार पर अबतक टीककारण से छूट गए स्वास्थ्य कर्मियों या अग्रिम मोर्च पर कार्यरत कर्मियों के टीकाकरण के लिए कदम उठाना चाहिए। अदालत दो जनहित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिसमें कोविन पोर्टल पर नागरिकों को आ रही समस्या में अदालत से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया गया था। याचिकाकर्ताओं के वकील जमशेद मास्टर और अनिता कैसलिनो ने पीठ ने कहा कि कोविन रोजाना खास समय पर पंजीकरण के लिए खुलता है और कुछ सेंकेंड में स्लॉट खत्म हो जाते हैं।

कानूनी सलाह

दै. मुंबई हलचल के सभी पाठकों और शुभचिंतकों का बहुत-बहुत अभिनंदन। दै. मुंबई हलचल अपने पाठकों के लिए लेकर आया है- कानूनी सलाह। जी हाँ, आप इस फोरम पर अपनी कानूनी समस्या पर सलाह प्राप्त कर सकते हैं।

आज का विषय

किसी व्यक्ति का अपहरण होने पर कानून में क्या उपाय उपलब्ध हैं?

उत्तरः अपहरण, हमने इस शब्द के बारे में सुना है लेकिन हम इस बात से अनजान हैं कि अगर किसी व्यक्ति का अपहरण कर लिया जाए तो क्या करना चाहिए। किससे शिकायत करें। अपहरण होने पर सबसे पह;ले पुलिस में एफआईआर दर्ज कराएं। और फिर आप सीआरपीसी की धारा ९७ के तेहत यदि किसी जिला मजिस्ट्रेट, उप-मंडल मजिस्ट्रेट या प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट के पास आप एप्लीकेशन डाल सकते हैं और इसी धाराके अंतर्गत अगर मजिस्ट्रेट के पास यह विश्वास करने का कारण है कि कोई व्यक्ति ऐसी परिस्थितियों में कैद है, तो वह तलाशी वारंट जारी कर सकता है, और जिस व्यक्ति को ऐसा वारंट निर्देशित किया जाता है। और कैद किया गया व्यक्ति जब मिल जाए तोह उससे तुरंत मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश होना होगा। अगर मजिस्ट्रेट से मदद न मिल पा रही हो तब आप संविधान के अनुच्छेद २२६ यानी हाई कोर्ट में Habeas Corpus के लिए अप्लाई करें। और अगर हाई कोर्ट न मदद कर पाए तब संविधान के अनुच्छेद ३२ के तेहत सुप्रीम कोर्ट में Habeas Corpus का आवेदन कर सकते है।

आपकी अगर कोई कानूनी समस्या है तो हमें लिखें, हम आपका मार्गदर्शन करेंगे।
Dr. S.P. Ashok
B.Tech, LL.M., DTL, PGD (ADR)Ph.D. (Law)

सपने में गुरु ने शिष्य से कहा- 'वापस लौट आओ'.... और संत ने कर ली आत्महत्या

संवाददाता

मुंबई। मायानगरी मुंबई में आत्महत्या के एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है जहाँ एक बुजुर्ग साधु ने सपने में आये गुरु के आदेश का पालन करते हुए आत्महत्या कर ली है। मुंबई के घाटकोपर इलाके में जैन मंदिर में 71 वर्षीय एक साधु ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि साधु मनोहर लाल मुनि महाराज ने बुधवार की रात मंदिर में फांसी लगा ली। अधिकारी ने बताया कि मौके से बरामद 'सुसाइड नोट' में साधु ने

कथित तौर पर लिखा है कि उनके गुरु उनके सपने में आए थे और उनसे वापस आने को कहा क्योंकि पृथ्वी पर उनका काम अब पूरा हो गया है। पुलिस उपायुक्त (जोन-7) प्रशांत कदम ने कहा, कुछ भी संदिग्ध नहीं है। हमें 'सुसाइड नोट' मिला है और उसमें उन्होंने यह कदम उठाने के पीछे का कारण लिखा है। हम मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए राजावाड़ी अस्पताल ले जाया गया और दुर्घटनावश मौत का एक मामला दर्ज किया गया है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

116 पूर्व नौकरशाहों ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर याद दिलाई लापरवाही

उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार महत्वपूर्ण मुद्दों के निराकरण के बजाय कोविड संकट के प्रभावी प्रबंधन के विमर्श को लेकर अधिक चिंतित है। इस पत्र पर पूर्व कैबिनेट सचिव केएम चंद्रशेखर, पूर्व स्वास्थ्य सचिव के सुजाता राव, पूर्व विदेश सचिव एवं पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारी शिवशंकर मेनन, प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार टीकेए नायर, पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त वजाहत हबीबुल्लाह और दिल्ली के पूर्व उप राज्यपाल नजीब जंग सहित 116 पूर्व नौकरशाहों ने हस्ताक्षर किए हैं। पत्र में कहा गया, हम जानते हैं कि इस महामारी ने पूरी दुनिया के लिए खतरा पैदा किया है और भारत के नागरिकों भी अछूते नहीं रहेंगे। पूर्व नौकरशाहों ने कहा कि आम नागरिक जिस प्रकार चिकित्सा सहायता के लिए क्रंदन कर रहे हैं और मृतकों की संख्या हजारों में पहुंच रही, वहीं इस भारी संकट के बावजूद आपकी सरकार का लापरवाह नजरिया सामने आ रहा है। इसका भारतीयों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर जो प्रभाव पड़ रहा है, उसके बारे में सोच सोच कर हमारा दिमाग सुन्न हो रहा है। पत्र के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय समुदाय और भारतीय वैज्ञानिकों की चेतावनी के बावजूद पहली और दूसरी लहर के बीच मिले समय का इस्तेमाल अहम संसाधनों जैसे चिकित्सा कर्मी, अस्पतालों में बिस्तर, ऑक्सीजन आपूर्ति, वेंटिलेटर, दवाएं एवं अन्य चिकित्सा आपूर्ति जुटाने में नहीं किया गया। कांस्टीट्यूशनल कंडक्ट ग्रुप (सीसीजी) के बैनर तले जारी पत्र में कहा गया, इससे भी अधिक अक्षम्य है कि टीकों का पर्याप्त भंडार जमा करने की पूर्व में योजना नहीं बनाई गई जबकि भारत दुनिया के अहम टीका आपूर्तिकताओं में एक है।

फेसबुक की रिपोर्ट में दावा

इनमें राज्य और सार्वजनिक व्यवस्था की सुरक्षा के खिलाफ सामग्री डालना शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई-दिसंबर 2020 के बीच भारत सरकार ने कुल 40,300 अनुरोध किए जिनमें से 37,865 कानूनी प्रक्रिया संबंधी अनुरोध थे जबकि बाकी 2,435 आपात खुलासे से संबंधित अनुरोध थे। भारत इस तरह के अनुरोध की संख्या के लिहाज से अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है जहां इस अवधि में इस तरह के 61,262 अनुरोध किए गए। दुनिया भर में 2020 की पहली छमाही के 1,73,592 अनुरोधों की तुलना में दूसरी छमाही में इनमें 10 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी और यह संख्या 1,91,013 रही। भारत में उपभोक्ताओं/खाते से जुड़ी सूचना के लिए 62,754 अनुरोध किए गए और 52 प्रतिशत अनुरोधों में कुछ सूचनाएं प्रदान की गयीं। रिपोर्ट में कहा गया, फेसबुक लागू होने वाले कानूनों और अपनी सेवा शर्तों के अनुरूप डेटा से जुड़े सरकार के अनुरोधों का जवाब देती है। हमें मिलने वाले हर अनुरोध की कानूनी योग्यता के लिए गहन समीक्षा की जाती है और बेहद व्यापक या जटिल लगने वाले अनुरोधों को हम खारिज कर सकते हैं या उनके लिए ज्यादा विनिर्दिष्टता की मांग कर सकते हैं।

ममता ने पीएम के साथ बैठक को बताया 'सुपर फ्लॉप'

वहीं केंद्र सरकार के कुछ अधिकारियों ने कहा कि बनर्जी का प्रधानमंत्री के साथ मुख्यमंत्रियों की बैठकों में शामिल नहीं होने का इतिहास रहा है, चाहे वह महामारी पर हो या उससे पहले हुई हों। मोदी की बातचीत मुख्य रूप से जिलाधिकारियों और अन्य अधिकारियों के साथ तय थी जिसमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र समेत अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए जहां ये अधिकारी तैनात हैं। इन अधिकारियों ने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़, केरल, राजस्थान और महाराष्ट्र जैसे विपक्षी दल शासित राज्यों के जिलाधिकारियों ने बैठक में अपनी बात रखी। बनर्जी ने कहा था कि उन्हें और अनेक राज्यों के मुख्यमंत्रियों को बोलने नहीं दिया गया जो उनके अपमान की तरह है। बनर्जी ने यह दावा भी किया कि केवल भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को बैठक में बोलने दिया गया, जबकि दूसरों को 'कठपुतली' बनाकर रख दिया गया। उन्होंने कहा, 'यह अनौपचारिक और सुपर फ्लॉप बैठक थी।' बनर्जी ने राज्य सचिवालय 'नबन्ना' में संवाददाताओं से कहा, हम अपमानित महसूस कर रहे हैं। यह देश के संघीय ढांचे को नुकसान पहुंचाने की कोशिश है।

ताउते के बाद चक्रवात 'यास' देगा दस्तक

'यास' नाम के इस तूफान का प्रभाव ओडिशा और बंगाल में दिखाई देगा।भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार उत्तर अंडमान सागर और बंगाल की पूर्वी मध्य खाड़ी में 22 मई को कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है जो इसके बाद के 72 घंटों में चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है। विभाग के चक्रवात चेतावनी प्रभाग ने बताया कि यह उत्तर पश्चिम की तरफ बढ़ सकता है और 26 मई की शाम तक पश्चिम बंगाल-ओडिशा के तटों तक पहुंच सकता है। उसने बताया कि पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम और मेघालय 25 मई से हल्की से मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है।

वित्त वर्ष 2020-21 के लिये आयकर रिटर्न जमा करने के लिए 30 सितंबर तक बढ़ाई गयी समयसीमा

संवाददाता

नई दिल्ली। सरकार ने बृहस्पतिवार को 2020-21 के लिये व्यक्तिगत आयकर रिटर्न जमा करने की समयसीमा दो महीने बढ़ाकर 30 सितंबर 2021 कर दी। वहीं, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कंपनियों के लिये आयकर रिटर्न भरने की समयसीमा एक महीने बढ़ाकर 30 नवंबर कर दी है। आयकर कानून के अनुसार जिन व्यक्तियों के खातों का ऑडिट करने की आवश्यकता नहीं है और जो आमतौर पर आईटीआर-1 या आईटीआर-4 का उपयोग करके अपना आयकर रिटर्न दाखिल करते हैं, आईटीआर दाखिल करने की समय सीमा 31 जुलाई होती है। वहीं कंपनियां या फर्म जैसे करदाताओं के लिए जिनके खातों का ऑडिट होना आवश्यक है, समयसीमा 31 अक्टूबर है। सीबीडीटी ने एक परिपत्र में कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण उत्पन्न

संकट को देखते हुए करदाताओं को राहत प्रदान करने के इरादे से कुछ कर अनुपालनों को लेकर समयसीमा बढ़ायी गयी है। परिपत्र के अनुसार साथ ही, नियोक्ताओं द्वारा कर्मचारियों को फॉर्म 16 जारी करने की समयसीमा एक महीना बढ़ाकर 15 जुलाई, 2021 कर दी गयी है। कर ऑडिट रिपोर्ट और ट्रांसफर प्राइसिंग सर्टिफिकेट जमा करने की नियत तारीख एक महीने बढ़ाकर क्रमशः 31 अक्टूबर और 30 नवंबर कर दी गयी है। देर से या संशोधित आयकर रिटर्न अब 31 जनवरी, 2022 तक दाखिल किये जा सकते हैं। सीबीडीटी के अनुसार इसके अलावा, वित्तीय संस्थानों के लिए वित्तीय लेनदेन विवरण (एसएफटी) रिपोर्ट प्रस्तुत करने की समय सीमा 31 मई, 2021 से बढ़ाकर 30 जून कर दी गई है।नांगिया एंड कंपनी एलएलपी भागीदार शैलेष कुमार ने कहा कि आयकर रिटर्न के मामले में समयसीमा बढ़ाये जाने से करदाताओं को कर नियमों के अनुपालन के मामले में थोड़ी राहत मिलेगी। कुमार ने कहा, हालांकि, ऐसे करदाताओं के लिए, जिनकी संपूर्ण आयकर देनदारी टीडीएस (स्त्रोत पर कर कटौती) और अग्रिम कर के जरिये नहीं चुकाई जाती है और कर देयता में 1 लाख रुपये से अधिक का अंतर है, उन्हें आयकर कानून की धारा 234ए के तहत ब्याज शुल्क से बचने के लिए संबंधित मूल देय तिथि के भीतर अपना आईटीआर दाखिल करने का प्रयास करना चाहिए। मूल देय तिथि के बाद आईटीआर दाखिल करने तक हर महीने 1 प्रतिशत की दर से शुल्क लगाया जाता है।

हवा में 10 मीटर तक जा सकता है कोरोना वायरस

लोगों को दो मास्क पहना जरूरी

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर का कहर अभी भी जारी है। इस बीच संक्रमण को कम करने के लिए केंद्र सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय ने सामाजिक दूरी का पालन करते हुए जरूरी सावधानियां बरतने को कहा है। इसके मुताबिक संक्रमण एरोसोल और ड्रॉपलेट्स के जरिए तेजी से फैल रहा है और छींकने से निकला एरोसोल हवा में 10 मीटर की दूरी तक जा सकता है। इसके अलावा संक्रमित व्यक्ति के 2 मीटर के दायरे में ड्रॉपलेट्स गिरती है। परामर्श में लोगों को दो मास्क या एन 95 मास्क पहनने को कहा गया है।

घरों में हवा आने-जाने की समुचित व्यवस्था होने से वायरल लोड कम होता है, जबकि जिन घरों, कार्यालयों में हवा के आने-जाने का उचित प्रबंध नहीं होता, वहां वायरल लोड ज्यादा होता है। हवादार स्थान होने के कारण संक्रमण एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचने का जोखिम कम हो जाता है। जिस तरह खिड़की-दरवाजे खोलने से हवा के जरिए महक हल्की हो जाती है, उसी तरह एक्जॉस्ट प्रणाली, खुले स्थान और हवा के आने-जाने की व्यवस्था से हवा में व्याप्त वायरल लोड कम हो जाता है और संक्रमण का जोखिम घट जाता है। प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय द्वारा जारी की गई एडवाइजरी में कहा गया है, हवा के आने-जाने की व्यवस्था एक बेहतरीन सुरक्षा है, जिसके कारण घरों और दफ्तरों में हमें सुरक्षा मिलती है। कार्यालयों, घरों और बड़े सार्वजनिक स्थानों को हवादार बनाने से बाहर की हवा मिलती है। इसलिए ऐसा करने की सलाह दी गई है। शहरों और गांवों, दोनों जगह ऐसे स्थानों को हवादार बनाने के उपाय तुरंत किए जाने चाहिए। इसी तरह घरों, कार्यालयों, कच्चे घरों और विशाल इमारतों को भी हवादार बनाने पर जोर दिया जाना चाहिए। पंखों को सही जगह लगाना, खिड़की-दरवाजे खोलकर रखना बहुत सरल उपाय हैं। अगर थोड़ी सी भी खिड़की खोलकर रखी जाए, तो उतने भर से ही बाहर की हवा मिलेगी और भीतर की हवा की गुणवत्ता बदल जाएगी। क्रॉस-वेंटीलेशन और एक्जॉस्ट फैन से भी रोग के फैलाव को रोका जा सकता है।

आरएसी के नायब सदर मौलाना अदनान रजा ने की अपील

जुमे की नमाज के बाद फिलिस्तीन के लिए दुआ करें : मौलाना अदनान रजा

कोरोना के खात्मे के लिए भी खास दुआ करने को कहा

बरेली। ऑल इंडिया रजा एक्शन कमेटी (आरएसी) के नायब सदर मौलाना अदनान रजा कादरी ने दुनिया भर के मुसलमानों से अपील की है कि जुमे की नमाज के बाद फिलिस्तीन और खासतौर पर मस्जिद अल-अकसा के लिए दुआ करें। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही कोरोना महामारी के खात्मे की दुआ भी शामिल की जाए। अदनान मिया ने कहा कि मजहब-ए-इस्लाम को मानने वाले मस्जिद अल-अकसा की अहमियत जानते हैं। यह मुसलमानों का पहला किबला है और मक्का मुकर्रमा व मदीना शरीफ के बाद तीसरी सबसे अहम जगह है। यह मस्जिद फिलिस्तीन के यरूशलम में है, जहाँ इजराइल इन दिनों फिर जुल्म ढहा रहा है। उन्होंने कहा कि यह कितनी बड़ी बात है कि 1948 में जिन लोगों को दुनिया के किसी मुल्क में शरण नहीं मिली उन्हें फिलिस्तीनियों ने अपने मुल्क में बसाया। इस नेकी का बदला यह दिया गया कि आज फिलिस्तीनियों को उन्हीं के मुल्क के बेदखल करने कि कोशिश कि जा रही है। दुनिया की तमाम बड़ी ताकतें यह तमाशा देख रही हैं। इजराइल जैसी शक्तिशाली सेना मस्जिद अल-अकसा में जूते पहनकर घुस रही है और वहाँ नमाजियों पर जुल्म कर रही

है। इतना ही नहीं, इजलाइल की सेना फिलिस्तीन के शहरों में आम लोगों पर रॉकेट दाग रही है। इन हमलों में फिलिस्तीन के लोग शहीद हो रहे हैं, जिनमें बड़ी तादाद बच्चों की है। आधिकारिक आँकड़ों को ही सही मान लिया जाए तो अब कम से कम 200 आम शहरियों की शहादत हो चुकी है और लगभग 80 बच्चे शहीद हो चुके हैं।

अदनान मिया ने कहा कि यह तो सिर्फ आधिकारण आँकड़े हैं, असलियत इससे कहीं ज्यादा भयानक है। दूसरी तरफ, इजराइल का साथ देने वाले लोग यह बहाना ढूँढ रहे हैं कि हमास भी तो इजराइल पर हमले कर रहा है। उन्हें यह समझ नहीं आता कि हमास फिलिस्तीन की सेना नहीं है। उसकी इजराइल की सेना से कोई बराबरी नहीं। अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के मुताबिक न तो आम शहरियों पर हमला किया जा सकता है और न ही सैन्य शक्ति का गैर-आनुपातिक (जरूरत से ज्यादा) इस्तेमाल किया जा सकता है। फिर भी इजराइल सारी दुनिया के सामने अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की धज्जियाँ उड़ा रहा है। अमेरिका जैसे मुल्क आत्मरक्षा के अधिकार के बहाने उसका समर्थन कर रहे हैं तो संयुक्त राष्ट्र में जुबानी जमा-खर्च से ज्यादा कुछ नहीं किया जा रहा है। इंसान दोस्ती और मानवाधिकारों की दुहाई देने वालों को इस वक्त खुलकर इजराइल के खिलाफ बोलना चाहिए मगर ज्यादातर लोग चुप्पी साधे हुए हैं। ऐसे वक्त में जरूरी है कि हम सब मिलकर इजराइल के जुल्म और ज्यादती के खिलाफ आवाज उठाएं और साथ ही साथ दुआ के लिए हाथ भी उठाएं। अदनान मिया ने कहा कि आरएसी सोशल मीडिया के जरिए यह अपील देश भर में अपनी सभी इकाइयों तक पहुँचाने के साथ-साथ दुनिया भर में मसलक-ए-आला हजरत के मानने वालों तक पहुँचाई जाए उन्होंने कहा कि फिलिस्तीन और मस्जिद अल-अकसा की हिफाजत के अलावा कोरोना के खात्मे के लिए भी दुआ की जाए ताकि यह अजाब भी जल्द से जल्द दूर हो और सारी दुनिया में अमन-सुकून कायम हो सके।

गंगा नदी में मिल रहे शवों के अंबार को लेकर राहुल का केंद्र पर तंज

बोले- रेत में सिर दफनाए रहता है मोदी सिस्टम

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस की जानलेवा दूसरी लहर का तांडव लगातार बढ़ता जा रहा है, इसी बीच गंगा नदी में मिल रहे शवों के अंबार को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। केरल के वायनाड से सांसद और कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से ट्वीट करते हुए लिखा कि गंगा मां की रेत

से दिखता हर शव का कपड़ा कहता है कि उसी रेत में सर दफनाए मोदी सिस्टम रहता है! बता दें कि राहुल गांधी कोरोना वायरस की दूसरी लहर से बिगड़ी देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर लगभग हर दिन केंद्र पर निशाना साध रहे हैं। इससे पहले उन्होंने बुधवार को भी वैक्सीन की कमी और कोरोना से हो रही मौतों के आंकड़े बढ़ने को लेकर केंद्र पर हमला बोला था। राहुल ने अपने ट्वीट में कहा था, वैक्सीन कम होती जा रही हैं और कोविड मृत्यु बढ़ती जा रही हैं। केंद्र सरकार की नीति- ध्यान भटकाओ, झूठ फैलाओ, शोर मचाकर तथ्य छुपाओ।

सीएसएमटी और एलटीटी पर 5 मिनट से ज्यादा रुका वाहन, तो देना होगा शुल्क

मुंबई। रेलवे अपनी कमाई बढ़ने के लिए नए तरीके तलाशती रहती है। इस बार रेलवे स्टेशनों पर रिश्तेदारों को कार से ड्रॉप करने या पिकअप करने वालों की जेब पर रेलवे की नजर है। एयरपोर्ट की तरह यदि आपकी कार रेलवे स्टेशन पर 5 मिनट से ज्यादा देर तक रुकी, तो आपको शुल्क देना होगा। हालांकि रेलवे का कहना है कि स्टेशनों पर बाहरी वाहनों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए ऐसा किया जा रहा है। सेंट्रल रेलवे 'पांच मिनट से ज्यादा मुफ्त पार्किंग नहीं' योजना की शुरूआत सीएसएमटी और एलटीटी स्टेशन से शुरू करने वाली है। मध्य रेलवे के इन दो बड़े स्टेशनों से लंबी दूरी की 100 से ज्यादा ट्रेनें रोज आती-जाती हैं। इन दोनों स्टेशनों पर वाहनों के आवागमन के लिए बड़ा पार्किंग एरिया भी है। मध्य रेलवे के एक अधिकारी ने बताया, रोज 100 ज्यादा ट्रेनें ऑपरेट होने के कारण लाखों यात्रियों का आना-जाना होता है। ऐसे में प्राइवेट वाहनों की लाइन लग जाती है। इसीलिए पांच मिनट तक का वक्त बिना चार्ज के दिया जा रहा है, ताकि भीड़ न हो। फिलहाल इन दोनों स्टेशनों पर पिकअप और ड्रॉप के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। कई बार वाहन आधे से एक घंटे तक भी खड़े रहते हैं। इस नई योजना के साथ ही पार्किंग शुल्क में भी फेरबदल किया जाएगा। साइकल पार्किंग का भी शुल्क लिया जाएगा।

परियोजना के लिए टेंडर: सूत्रों के अनुसार, इस परियोजना के लिए रेलवे ने टेंडर निकाला है। कोटेशन 25 मई तक मिलने का इंतजार है। एक अधिकारी ने बताया, रेलवे का पहला उद्देश्य वाहनों की संख्या को नियंत्रित करना ही है। नियंत्रित एंट्री या एग्जिट सिस्टम से पार्किंग मैनेजमेंट सही होगा। पिकअप या ड्रॉप की सुविधा स्टेशन पर तय स्थानों पर ही होगी। इस तरह के वाहनों की आवाजाही के लिए डेडिकेटेड लेन पर भी विचार चल रहा है।

इस तरह होगा कंट्रोल

इन दोनों स्टेशनों के गेट पर शॉपिंग मॉल की तरह बूम बैरियर्स लगेंगे, वाहन को एक मशीन से जारी किया गया टिकट दिखाने पर बैरियर्स हटेंगे, लौटने पर स्टेशन में वाहन को लगे समय के अनुसार शुल्क लिया जाएगा

इजरायल और फलस्तीन के बीच शांति स्थापित करने के लिए अधिक प्रतिबद्धता दिखाए भारत: कांग्रेस

नई दिल्ली। इजरायल और फलस्तीनी संगठन हमास के बीच चल रहे हिंसक टकराव के बीच कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य के तौर पर अपनी भूमिका का उपयोग करते हुए और अधिक प्रतिबद्धता दिखानी चाहिए ताकि पश्चिम एशिया में शांति स्थापित हो सके। मुख्य विपक्षी पार्टी ने एक बयान में कहा, दोनों पक्षों को हिंसा का रास्ता छोड़ना चाहिए और शांति के लिए बातचीत करनी चाहिए क्योंकि इजरायल एवं फलस्तीन के सार्थक, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए कोई दूसरा रास्ता नहीं है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर भारत सरकार की ओर से दिखाए गए संतुलित रुख पर संतोष प्रकट किया और यह

आग्रह किया कि भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य के तौर पर अपनी भूमिका का उपयोग करते हुए और अधिक प्रतिबद्धता दिखनी चाहिए ताकि पश्चिम एशिया में शांति स्थापित हो सके। उसने कहा कि इजरायल और फलस्तीन के बीच विवाद बढ़ गया दिखाई देता है और हर घंटे हताहतों की संख्या बढ़ती जा रही है। कांग्रेस के अनुसार, भारत का ऐतिहासिक रुख रहा है कि इजरायल और फलस्तीन के तौर पर दो देशों के अस्तित्व में होने का समाधान हो तथा स्वतंत्र फलस्तीन की राजधानी पूर्वी यरूशलम हो। ऐसे समय इस रुख पर जोर दिए जाने की जरूरत है। उसने कहा, यह दुखद है कि रमजान महीने में नमाज के दौरान पवित्र अल-अक्सा मस्जिद में इजरायली सुरक्षा बल घुसे जिसके बाद क्षेत्र में शांति भंग हो गई। कांग्रेस ने यह भी कहा, हमास की ओर से किए जा रहे रॉकेट हमले को स्वीकार नहीं किया जा सकता और साथ ही एक ज्यादा मजबूत एवं संगठित सेना की ओर से बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई करना भी अस्वीकार्य है, खासकर उस स्थिति में जब महिलाओं और बच्चों समेत आम नागरिक हताहत हो रहे हों।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलढाणा हलचल

कोविड नियंत्रण के लिए कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग के साथ जांचों की संख्या बढ़ाएं, संभागायुक्त पीयूष सिंग ने लिया जिले का जायजा

बुलडाणा। कोविड संक्रमण की लहर इस समय अपने चरम पर है। अमरावती संभाग में पिछले कुछ दिनों में मरने वालों की संख्या के साथ-साथ पीड़ितों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। इसे नियंत्रित करने के लिए सिस्टम को पीड़ित के निकट और बाहरी संपर्क में आए व्यक्ति की ट्रेसिंग करके जांच की संख्या बढ़ाने को प्राथमिकता देनी चाहिए। इस तरह के निर्देश संभागीय आयुक्त पीयूष सिंग ने दिए.उन्होंने उक्त सुझाव 18 मई को जिल्हाधिकारी कार्यालय के नियोजन कक्ष में जिले में कोरोना संक्रमण की व्यापक समीक्षा करते हुए दिये. ईस समय विशेष पोलिस महानिरीक्षक चंद्रशेखर मीना, जिल्हाधिकारी एस. रामामुर्ती, जि.प मुख्य कार्यकारी अधिकारी भाग्यश्री विसपुते, जिल्हा पोलीस अधिक्षक अरविंद चावरीया, जिल्हा शल्य चिकित्सक डॉ. प्रशांत पाटील, जिल्हा आरोग्य अधिकारी डॉ. बाळकृष्ण कांबळे, अप्पर जिल्हाधिकारी धनंजय गोगटे, निवासी उप जिल्हाधिकारी दिनेश गीते मुख्य रूप से मौजूद थे। दूसरी ओर, जिले के सभी तालुकों में संदिग्धों के स्वाबों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों पर भी फोकस होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पीड़िता के संपर्क में आए व्यक्ति को रिहा नहीं किया जाना चाहिए। पीड़ितों को कोविड केयर सेंटर में ही भर्ती किया जाए, ऑक्सीजन कमी नही होगी। इस संबंध में योजना बनाई जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि निमार्णाधीन ऑक्सीजन परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने को प्राथमिकता दी जाए। सुपर स्प्रेडर का कोविड टेस्ट अनिवार्य किया जाए। सरकारी कार्यालयों में अधिकारियों व कर्मचारियों का नियमित कोरोना टेस्ट कराया जाए। मास्क का प्रयोग नहीं करने वालों पर सख्त कारवाई करनी चाहिए।

एम्बुलेंस दरें तय अनुचित दर वसूले जाने पर होगी कार्रवाई

बुलडाणा। कोरोना के पार्श्वभूमी पर जिले में एंबुलेंस की मांग बढ़ गई है। एम्बुलेंस धारकों द्वारा अत्यधिक शुल्क वसूले जाने की शिकायतें हैं। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण, बुलडाना द्वारा एम्बुलेंस के लिए आधिकारिक दरें निर्धारित की गई हैं। यदि एम्बुलेंस धारक प्राधिकरण द्वारा निर्धारित दर से अधिक शुल्क लेता है, तो वह तुरंत उप क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय की ईमेल आईडी mh28@mahatranscom.in पर शिकायत दर्ज करे। इसी तरह, सभी एम्बुलेंस धारकों को वाहन में एक रिकॉर्ड रखना आवश्यक है। इसमें मरीज का नाम, पता, तारीख, मोबाइल नंबर, चार्ज किया गया किराया और मरीज के साथ जाने वाले व्यक्ति का नाम, पता और मोबाइल नंबर होना चाहिए। वाहन को यांत्रिक रूप से साफ रखने की जिम्मेदारी वाहन मालिक की होती है। चालक और मालिक के लिए एम्बुलेंस के अंदर किराया दिखाना अनिवार्य है। नीचे से अधिक दर वसूल करने वाले वाहन स्वामियों पर क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण, बुलडाना के आदेशानुसार प्रस्तावित दंड एवं आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत भी मुकदमा चलाया जाएगा।

यह आधिकारिक दर है

एम्बुलेंस (चार पहियों के लिए): ईंधन के बिना किराया दर24 घंटे के लिए तीन सौ किलोमीटर तक (ड्राइवर और हेल्पर सहित)300 किलोमीटर से ऊपर की दर प्रति कि.मी गैर वातानुकूलित एम्बुलेंस के लिए रु.1000 प्रति किमी, रु.4, रु.1100 प्रति किमी, वातानुकूलित के लिए रु.5।

हर 24 घंटे/ 20 किमी. के किराए की कुल दर (ईंधन, चालक और सहायक सहित)120 किम. से ऊपर प्रति किलोमीटर दर। गैर वातानुकूलित एम्बुलेंस के लिए 1600 रुपये प्रति किमी, जबकि वातानुकूलित के लिए 20 रुपये प्रति किमी, वातानुकूलित के लिए 1700 रुपये प्रति किमी। 21 रुपये प्रती।

बुलडाणा जिले में कोरोना मरीजों का ग्राफ में कमी ऑक्सीजन की मांग में भी कमी, ली राहत की सांस

बुलडाणा। जिले में गत दस दिनों से मरीजों का ग्राफ गिर रहा है। इससे जिला प्रशासन समेत नागरिकों को राहत मिली है। संक्रमित से कोरोनामुक्त हुए मरीजों की संख्या अधिक है। इससे ऑक्सीजन का इस्तेमाल कम हो गया है, लेकिन मृत्यु का प्रतिशत कम नहीं होने से स्वास्थ्य विभाग भी चिंता में है। जिले में 23 अप्रैल को 7 हजार 343 एक्टिव मरीज थे। फिलहाल 5 हजार 331 एक्टिव मामले हैं। बुलडाणा जिले में कोरोना पीड़ितों की संख्या में कमी आई है। जिले में आज 591 कोरोना मरीजों के मामले सामने आए हैं। वही 759 संक्रमित स्वस्थ होकर घर लौट गए। इसी तरह आज जिले में 4 मरीजों की इलाज के दौरान

मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के दैनिक मेडिकल बुलेटिन के अनुसार रैपिड एंटीजन टेस्ट किट जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया और रिपोर्ट में कुल 5537 रिपोर्ट प्राप्त हुई। जिसमें से 4946 की रिपोर्ट पॉजिटिव और 591 की रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई। प्राप्त सकारात्मक रिपोर्टों में प्रयोगशाला रिपोर्ट और रैपिड टेस्ट रिपोर्ट शामिल हैं। निगेटिव रिपोर्ट में लैब से 367 और रैपिड टेस्ट की 224 रिपोर्ट शामिल हैं। इसी तरह, जिले में अब तक 436175 की रिपोर्ट निगेटिव आई है और अब तक 74668 कोरोना प्रभावित मरीजों को मेडिकल प्रोटोकॉल के अनुसार डिस्चार्ज किया जा चुका है क्योंकि वे कोरोना नेगेटिव थे। इस तरह डिस्चार्ज हुए मरीजों की कुल संख्या 74668 है। जिले में कोरोना की कुल संख्या 8535 को पार कर गई है। इसलिए, वर्तमान में जिले के विभिन्न अस्पतालों में 5331 प्रभावितों का इलाज चल रहा है, जिले में कोरोना मरने वालों की संख्या 536 हो गई है।

समस्तीपुर हलचल

उजियारपुर के सांसद सह गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सांसद निधि से समस्तीपुर सदर अस्पताल को दिए 66 लाख 94 हजार

समस्तीपुर। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री सह उजियारपुर के सांसद नित्यानंद राय ने सदर अस्पताल समस्तीपुर में निमार्णाधीन पीकू वार्ड के आधारभूत संरचना एवं वेंटिलेटर हेतु अपने सांसद निधि से 66,94,800 रुपये की अनुशंसा एवं सहमति दी है। इस राशि से 40 लाख रुपए बच्चों के लिए वेंटिलेटर खरीदने पर एवं 26 लाख 94 हजार 800 रुपए की राशि पीकू वार्ड में डॉक्टर चैंबर, नर्स रूम, स्टोर रूम, प्रतीक्षालय, सीढ़ी, शौचालय एवं सेप्टिक टैंक का निर्माण कार्य पर खर्च होगा। वैश्विक महामारी कोविड - 19 से निपटने हेतु समस्तीपुर जिले में लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय बच्चों को कोविड - 9 के खतरे की संभावना को देखते हुए समस्तीपुर सदर अस्पताल में आधुनिक तरीके से इलाज हेतु अपने सांसद निधि से यह राशि दी है।

वेंटिलेटर युक्त इस पीकू वार्ड बनते ही समस्तीपुर जिला के लोगों को अपने बच्चों के इलाज हेतु पटना लेकर जाने से छुटकारा मिल जाएगा एवं समय से बच्चों को उचित एवं त्वरित इलाज हो सकेगा। इस पिकू वार्ड में बच्चों के इलाज से संबंधित सभी अत्याधुनिक यंत्र एवं सुविधा उपलब्ध होगा। मंत्री श्री राय ने अधिकारियों से इस कार्य को शीघ्र पूर्ण करने का भी निर्देश दिया है। मंत्री नित्यानंद राय सदर अस्पताल परिसर में इस दो मंजिला पीकू वार्ड के निर्माण हेतु अपने सांसद मद से लगभग 30 लाख रुपये दिए थे। सांसद श्री राय समस्तीपुर जिले में कोविड -19 के प्रभावी इलाज एवं क्षमता विस्तार में लगातार लगे हैं, इसी क्रम में श्री राय ने पिछले महीने भी सांसद कोष से 2 करोड़ रुपये दिए थे जिससे उजियारपुर के भगवानपुर देसुआ में एक ऑक्सीजन प्लांट का निर्माण भी चल रहा है।

राजस्थान हलचल

कौशांबी जिले के तिलगोडी गांव में झमाझम बारिश, खरीदी केंद्रों में खुले में रखा हजारों क्विंटल गेहूं एवं चावल भीगा, बारिश की संभावना के बावजूद लापरवाही

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

कौशांबी। कौशांबी तिलगोडी गांव का मामला सामने आया है जहां बार-बार चेतावनी को अनदेखा करने का नतीजा, खरीदी केंद्रों में रखा करोड़ों का गेहूं भीग गया है पूरी तरह से. एक सप्ताह से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। बारिश से समर्थन मूल्य पर खरीदा हजारों क्विंटल गेहूं भीग गया है। लगातार बारिश

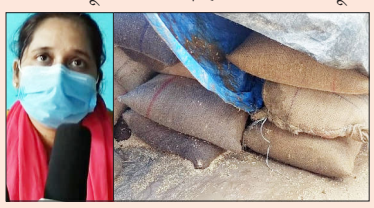

से भीगे हुए गेहूं सड़ने पर है मजबूर। जिससे खरीदी केंद्रों पर रहने वाले सरकारी कर्मचारी घोर लापरवाही पूरी तरह से भीग गया है। सरकारी कर्मचारी की लापरवाही सामने आई. तिलगोडी गल्ला गोदाम में 8000 गेहूं एवं चावल की बोरी मौजूद है जिस में आधा से ज्यादा बारिश के कारण भीग गया है। इस संबंध में तिलगोडी गल्ला गोदाम प्रभारी मंजिला बौद्ध का कहना है। बारिश से भीगा कहां है तस्वीर में आप सब देख सकते हैं कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है देखना है अब यह देखना दिलचस्प होगा के आला अधिकारी इस पर क्या कार्रवाई करते हैं। गरीबों के हिस्से का अनाज को भीगाने वाले को क्या कार्रवाई होती है।

कोविड मरीजों के लिए पूनम अंकुर छाबड़ा ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जयपुर। अभी कोरोना काल मे हर इंसान परेशान हैं कोई ऑक्सीजन की कमी से कोई हॉस्पिटल में बेड ना मिलने से, कोई भूख से बेरोजगारी से ओर नेता कोई कदम नही उठा रह है। इस लिये इस कोरोना काल मे जस्टिस फॉर छाबड़ाजी संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्षा पूनम अंकुर छाबड़ा ने बहुत ही अच्छा और सरहनीय कदम उठाया कोविड मरीजों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर +91-9958980151 जारी किया हैं। इस हेल्पलाइन पर कोविड मरीज और उनके परिजनों को कोविड टेस्ट, जांच, प्लाज्मा, बैड और ऑक्सीजन की मदद करने का प्रयास किया जायेगा। पूनम अंकुर छाबड़ा ने बताया कि संगठन का हर सदस्य कोरोना मरीजों की सेवा के लिए तत्पर हैं ओर आगे भी बहुत अच्छा काम किया है और आगे भी जनता की सेवा करते रहेंगे। ओर सभी लोगों से जरूरतमंद लोगों और कोविड मरीजों की मदद की अपील भी की गई हैं।

समस्तीपुर हलचल

जितवारपुर निजामत में घर के बाहर खेल रहे 11 वर्षीय बच्चे को अपराधियों ने मारी गोली, स्थिती नाजुक

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। समस्तीपुर ज़िले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में जितवारपुर निजामत वार्ड 11 निवासी मनोज कुमार यादव के पुत्र निशांत कुमार (उम्र 11 वर्ष) को तीन नकाबपोश अपराधियों ने गुरुवार की दोपहर गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। बताया जाता है कि बच्चा घर के बाहर अपने दरवाजे पर खेल रहा था उसी वक्त तीन नकाबपोश अपराधी हथियार लेकर आए और बच्चे को गोली मारकर आराम से चलते बने। परिजनों ने घायल बच्चे को समस्तीपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है जहां बच्चे की स्थिति नाजुक बनी हुई है। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही पूरे जितवारपुर क्षैत्र में भय का माहौल बन गया है।

पुलिस अधिक्षक ने किया चकमेहसी थाने का निरीक्षण, दिए कई आवश्यक निर्देश

समस्तीपुर। कल्याणपुर प्रखंड क्षैत्र के चकमेहसी थाना पहुचे। पुलिस अधिक्षक मानवजीत सिंह ढिल्लो ने गुरुवार को गहराई से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिक्षक ने थाने के विभिन्न अभिलेख की जांच करते हुए पुलिस अधिकारियों को लॉकडाउन का सख्ती से पालन कराने को लेकर विभिन्न दिशा निर्देश दिया। मौके पर थाना अध्यक्ष चंद्रकिशोर टुडू,एएसआई सुरेन्द्र कुमार माझी,सुनील सिंह, अखिलेश सिंह आदि पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पिपंल और एक्ने को दूर करने के लिए यूं इस्तेमाल करें जायफल

जायफल का इस्तेमाल भोजन में फ्लेवर लाने के लिए किया जाता है। जायफल के एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो शरीर होने वाले हर तरह के इन्फेक्शन से छुटकारा दिलाने में मदद करते हैं। जायफल में औषधीय गुण भी होते हैं जिन्हें त्वचा को निखारने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। जायफल में मैग्नीशियम, कॉपर और विटामिन बी1 और बी6 होता है जोकि सेहत के लिए जरुरी माना जाता है। इसके ये गुण त्वचा पर बहुत ही कारगर होते हैं। इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लामेट्री गुण पिंपल्स और एक्ने के इलाज में मददगार साबित होते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि जायफल को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करने से क्या फायदे होगें और आप इसे किस तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।

1.कलींजर

1 चम्मच जायफल पाउडर और 1-2 चम्मच दूध लें। दोनों को मिक्स करके पेस्ट बना लें, अब इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं।10-15 मिनट बाद चेहरे को धो लें। जायफल के रेजुवेनटिंग गुण और दूध में लैक्टिक एसिड मौजूद होने के कारण आपकी स्किन एकदम सुंदर और मुलायम हो जाएगी।

2. एक्ने और पिंपल्स पर असरदायक

अगर आपकी स्किन ऑयली है और आपके चेहरे पर एक्ने और दानें निकल आएं हैं तो 1 चम्मच जायफल पाउडर में शहद की कुछ बूंदें मिलाकर चेहरे पर लगाएं। कुछ समय बाद अपना चेहरा धों ले। दो हफ्तों में ही असर नजर आने लगेगा। जायफल और दूध दोनों में एंटीबैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लामेट्री गुण होते हैं जो एक्ने को दूर करने में मदद करते हैं।

3.पिगमेंटेशन के लिए

जायफल में पाए जाने वाले गुण आपकी त्वचा की रंगत को निखारने और पिगमेंटेशन के साथ-साथ गहरे दाग-धब्बों को दूर करने में सहायता करते हैं। ये सूरज की तेज किरणों से त्वचा को होने वाले नुकसान को भी ठीक करता है। पैक बनाने के लिए एक साफ कटोरी लें और इसमें जायफल पाउडर, योगर्ट और नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाएं। चेहरे पर पेस्ट को लगाएं और 8-10 मिनट के बाद ठंडे पानी से चेहरा धोकर सुखा लें। इसके बाद मॉइश्चराइजर लगाएं। आपकी स्किन पहले से ज्यादा ग्लोइंग नजर आऐंगी।

4.त्वचा को एक्सफोलिएट

त्वचा को एक्सफोलिएट करके स्किन की सफाई करता है। आप अपनी डेड स्किन को स्क्रब करने के लिए जायफल पाउडर में शहद, बेकिंग सोडा और लौंग का तेल, नींबू के रस की बूंदे एकसाथ मिला लें। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और चेहरे पर धीरे-धीरे स्क्रब करें। 5-10 मिनट बाद गुनगुने पानी से चेहरा धोकर सुखा लें।

हफ्ते में पलकें होगी घनी अगर रोजाना करेंगे ये 3 काम

घनी पलके आखों की खूबसूरती को चार चांद लगा देती है। जिनकी पलके छोटी होती है उनकी आंखों की खूबसूरती फिकी दिखती है। अपनी पलकों की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए युवतियां अक्सर नकली लैशेज लगाती हैं। परंतु आप चाहें तो कुछ टिप्स को अपनाकर घर पर ही घनी आई लैशेज पा सकती हैं। इससे आपकी पलकें घनी और खूबसूरत लगेगी।

1. कैस्टर ऑयल

रात में कैस्टर ऑयल लगाकर सोएं। नियमित रूप से इसे लगाने के कुछ हफ्तों बाद ही आपको फर्क नजर आने लगेगा। लैशेज के साथ-साथ आप आई ब्रोज को भी घना बना सकती हैं।

2. विटामिन-ई

विटामिन-ई कैप्सूल को तोड़कर आई लैशेज पर लगाएं। आप चाहें तो लगाकर सो जाएं या फिर 20 मिनट बाद आंखों को साफ कर लें।

3. आई लिड मसाज करें

रिंग फिंगर से हल्की-हल्की मसाज करें तथा मसाज करने से पहले उंगलियों को अच्छी तरह धो लें। यह आंखों के आसपास के हिस्से में रक्त प्रवाह को बढ़ाएगा।

सूखी खांसी को जल्दी ठीक कर देंगे ये घरेलू नुस्खे

बार-बार खांसी करने से कोई भी काम करने में अच्छी खासी परेशानी आती है। इससे गले और पसलियों में दर्द भी होने लगता है। मौसम में बदलाव आ जाने से इस तरह की समस्या होने की संभावना ज्यादा होती है। इसके अलावा ज्यादा ठंड़ी या खट्टी चीजें भी गला खराब कर देती हैं। सूखी खांसी हो जाने पर जल्दी आराम आना भी मुश्किल हो जाता है और कफ सीरप पीने से नींद भी ज्यादा आने लगती है। ऐसे में दादी-नानी के अजमाए नुस्खे आपके काम आ सकते हैं।

1. शहद

एक चम्मच शहद दिन में 3 बार लें, इससे बहुत राहत मिलेगी।

2. काली मिर्च

पिसी काली मिर्च को घी में भूनकर खाने से खांसी जल्दी ठीक हो जाती है।

3. प्याज

आधा चम्मच प्याज के रस में 1 छोटा चम्मच शहद मिलाकर दिन में दो बार लें।

4. हल्दी

आधा कप उबले पानी में चुटकी भर हल्दी,पिसी काली मिर्च डालकर चाय की तरह पीएं।

5. नींबू

नींबू के रस में शहद मिक्स करके दिन में चार बार सेवन करने से खराश दूर होती है।

अगर आपका बच्चा भी करता है ज्यादा गुस्सा तो यूं करें उसे Treat

जब बच्चा बात-बात पर चिड़ने या गुस्सा करने लगता है तो पेरेंट्स चिंता में पड़ जाते हैं। उनकी सबसे बड़ी परेशानी यही होती है कि उन्हें समझ ही नहीं आता कि आखिर बच्चा ऐसा क्यों कर रहा हैं। बिना बच्चे के चिड़चड़ेपन या गुस्से का कारण जाने बिना पेरेंट्स उन्हें डांटने या मारने लगते हैं। इससे बच्चा और भी जिद्दी हो जाता है और गलत दिशा में पड़ जाता हैं। अगर आप नहीं चाहते कि आपका बच्चा गलत राह पर जाए तो उसकी इन हरकतों के पीछे का कारण जाने न कि उसे डांट या फटकार लगाएं।

चलिए जानते है वह कौन सा कारण है जो आपके हंसते खेलते बच्चों को एकदम से चिड़चिड़ा या गुस्सैल बना देता है।

बच्चे का अकेलापन

भागदौड़भरी जिदंगी में माता-पिता दोनों वर्किंग होते है जिस वजह से वह अपने बच्चों को टाइम नहीं दे पाते। यहीं वजह है कि बच्चा खुद को अकेला महसूस करने लगता है और उसका व्यवहार चिड़चिड़ा और गुस्सैल हो जाते हैं। अक्सर पेरेंट्स इसे बच्चे की नादानी या बदतमीजी समझकर अनदेखा कर देते है जो सबसे बड़ी गलती हैं। माता-पिता को बच्चे की गलत आदतों की अनदेखा नहीं करना चाहिए बल्कि उसके कारणों को पहचानने की कोशिश करें। दरअसल, बच्चा खेलकूद न कर पाने या स्कूल में कोई विषय न समझ या माता-पिता की अटेंशन न मिल पाने के कारण व्यवहार चिड़चिड़ा या गुस्सैल बन जाता है।

दूसरों के सामने डांटें नहीं, समझाएं

अक्सर पेरेंट्स बच्चे के इस हाइपरएक्टिव स्वभाव को बदतमीजी मानकर उसे रिश्तेदारों या दोस्तों के सामने डांटते-फटकारते हैं जिसका असर बच्चे की मानसिकता और आत्मविश्वास पर पड़ता है। पेरेंट्स को चाहिए कि बच्चे के आसपास ऐसा माहौल बनाएं जिससे बच्चा अपनी हाइपरएक्टिविटी से बाहर निकल सकें।

- बच्चों को दूसरों के सामने मारने के बजाए प्यार से समझाएं।
- अपने गुस्से व चिंताओं पर नियंत्रण रखें।
- खुद को चिंतामुक्त रखने के लिए फैमिली के साथ बाहर घूमने जाएं।
- बच्चे को कभी अपनी चिंताओं का दोष न दें।
- घर में सकारात्मक वातावरण बनाने की कोशिश करें।
- बच्चे के साथ ज्यादा से ज्यादा टाइम स्पेंड करें।
- फैमिली के साथ हर हफ्ते मूवी प्लान करें।
- स्कूल या फ्रैंड्स से जुड़ी बातें बच्चों से पूछें।

हाइपरएक्टिव बच्चे के साथ ऐसा हो व्यवहार

1. हाइपरएक्टिव बच्चों को खेलकूद और बाहरी एक्टिविटीज में व्यस्त रखें। बच्चों को डांस या आर्ट क्लास ज्वाइन करवाएं। बच्चों को आउटडोर गेम्स खेलने के लिए भेजे। इससे बच्चे का मन शांत व खुश रहेगा और उसका आत्मविश्वास बढ़ेगा।
2. हाइपरएक्टिव बच्चे हर गतिविधि पर नजर रखें। उसके स्कूल टीचर से रोज मिले और उसके व्यवहार से जुड़ी जानकारी लेते रहें। टीचर से रिक्वेस्ट करें कि बच्चे को आगे वाली सीट पर बैठाएं।
3. इस तरह के बच्चों को किसी न किसी खेल या दूसरों बच्चों के साथ मिलकर रहने दें। इससे उनके गुस्से व चिड़चिड़ेपन पर काबू पाया जा सकता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

टाइगर श्रॉफ की फिल्म गणपत में नोरा फतेही ने मारी एंट्री

कृति सेनन भी है फिल्म का अहम हिस्सा

बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग और डांसिंग के दम पर खास पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस नोरा फतेही अब जल्द ही एक नई फिल्म में नजर आने वाली है। उन्हें अब दर्शको को टाइगर श्रॉफ के साथ देखने का मौका मिलेगा। एक्ट्रेस नोरा फतेही के हाथ अब बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। वो टाइगर श्रॉफ की एक मच अवेटेड फिल्म में नजर आने वाली है। आपको बता दे, टाइगर की ये मच अवेटेड एक्शन फिल्म 'गणपत' है जिसमे अब नोरा फतेही भी अहम किरदार में दिखाई देंगी। वैसे, इस फिल्म में कृति सेनन लीड रोल में है। लेकिन कहा जा रहा है कि फिल्म में नोरा भी बराबर दिखाई देंगी। ये पहली बार है जब टाइगर श्रॉफ के साथ नोरा फतेही काम करने जा रही हैं। 'गणपत' से जुड़े एक सूत्र ने मीडिया को दी जानकारी में बताया है कि नोरा फतेही फिल्म की स्टारकास्ट में शामिल हो गई हैं और वो इसमें अहम किरदार निभाती हुई दिखेंगी। सूत्र का कहना है कि नोरा फतेही का किरदार कृति सेनन के मुकाबले थोड़ा छोटा लेकिन बहुत ही अहम किरदार है। आपको बता दे, टाइगर श्रॉफ की फिल्मों में एक्ट्रेस का ज्यादा किरदार नहीं होता है। लेकिन इसमें कृति और नोरा दोनों का किरदार अहम हैं। मेकर्स ने पहले ही ऐलान किया था कि फिल्म में एक नहीं दो एक्ट्रेस होंगी। अब कहा जा रहा है कि फिल्म में नोरा फतेही टाइगर की दूसरी लीड एक्ट्रेस होंगी।

जैकलीन ने की फैंस से अपील

महामारी के कारण संकट में फसे लोगों को राहत देने के प्रयास में जैकलीन फर्नांडिस इस मुश्किल समय में मैदान पर उतर चुकी हैं। अभिनेत्री लोगों के साथ दयालुता की कहानियों को साझा करने और बनाने एवं सभी के बीच प्यार फैलाने और दूसरों की मदद करने का प्रयास कर रही हैं। जैकलीन फर्नांडिस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा, मजबूत रहें, सुरक्षित रहें, स्वस्थ रहें, जितना हो सके दूसरों की मदद करें। हमेशा प्यार और दया फैलाएं! हम सभी अपने-अपने तरीकों से महामारी से लड़ रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा, आइए हम सभी के साथ सहानुभूति और समझदारी रखें.. एक-दूसरे के लिए होने दें! दया की अपनी कहानियों को हमारे साथ शेयर करते रहें और हम प्यार, एक्ता जैसे शब्दों को फैलाने में मदद करें। हमारा ये एक जीवन है, जो कुछ भी हम कर सकते हैं उसे इस दुनिया में करने के लिए करें। जैकलीन ने लिखा, मुझे योलो फाउंडेशन के लॉन्च की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। दयालुता की कहानियां बनाने और शेयर करने के लिए एक पहल। इस चुनौतीपूर्ण वक्त में योलो फाउंडेशन कई एनजीओ के साथ मिलकर काम करेंगा। ये जानने के लिए कि आप योगदान दे सकते हैं और अपने आस-पास के जीवन में बदलाव ला सकते हैं।

बढ़ती उम्र पर बोलीं प्रियंका चोपड़ा

बॉलिवुड की 'देसी गर्ल' प्रियंका चोपड़ा जहां एक ओर हॉलिवुड में खूब नाम कमा रही हैं, वहीं ऐक्ट्रेस को सोशल मीडिया पर लगातार उनकी बॉडी के कारण ट्रोल भी किया जाता है। 38 साल की प्रियंका चोपड़ा ने साल 2000 में मिस वर्ल्ड का ताज जीता था। ऐक्ट्रेस ने अपनी 'बॉडी इमेज' को लेकर चुप्पी तोड़ी है। ऐक्ट्रेस का कहना है कि उनका शरीर अब पहले की तरह नहीं रहा। बहुत कुछ बदल गया है। प्रियंका ने कहा मैं झूठ नहीं बोलूंगी कि मुझे इन बातों से फर्क नहीं पड़ता। जैसे जैसे मेरी उम्र बढ़ रही है, मेरा शरीर भी बदल गया है। ठीक उसी तरह जैसे सभी के साथ होता है। मुझे मानसिक रूप से भी इस बदलाव को स्वीकार करना होगा, ठीक है, यह अब ऐसा ही है। अब मेरा शरीर ऐसा ही दिखता है। यह अब 10 साल या 20 साल पुरानी बॉडी की तरह नहीं है। प्रियंका आगे कहती हैं, मुझे लगता है कि यह बहुत जरूरी है और मुझे ऐसा लगता है कि असल में आप जो भी दिखते हैं उससे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि आप क्या कर रहे हैं और आप इसके साथ किस तरह से पेश आते हैं। इससे आपके आत्मविश्वास का पता चलता है। मैं हमेशा यही सोचती हूं कि मैं कैसे योगदान कर रही हूं? मेरा उद्देश्य क्या है? क्या मुझे जो काम दिए गए हैं, मैं उन्हें अच्छे से कर रही हूं? मैं अन्य चीजों के बारे में अच्छा महसूस करने पर फोकस करती हूं, यहां तक कि उन दिनों में भी जब मैं अपने शरीर के बारे में अच्छा महसूस नहीं करती, मैं उस वक्त भी वही काम करती हूं, जो मुझे खुशी देता है। प्रियंका कहती हैं, मैं यह जानती हूं कि मेरे आत्मविश्वास और दूसरों को प्रभावित करने की मेरी क्षमता का मेरे शरीर से कोई लेना-देना नहीं है।